



HINDUSTAN

तैयारी | विज्ञान विषयों के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर में इच्छुक छात्र ले सकेंगे दाखिला, विश्वविद्यालय जल्द जारी करेगा इसकी अधिसूचना

जेसी बोस विश्वविद्यालय में चार से दाखिले के लिए आवेदन होंगे

मिशन एडमिशन

फरीदाबाद, चरिष्ठ संवाददाता। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चार जुलाई से दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन इसकी तैयारी में जुटा है। अगले दो-तीन में विश्वविद्यालय प्रशासन इससे संबंधित कार्यक्रम की अधिसूचना जारी करेगा। इसमें यह भी तय होगा किस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा ली जानी है। इसी के साथ शैक्षणिक सत्र 2022-23 को प्रक्रिया शुरू हो

जाएगी। विश्वविद्यालय में चार जुलाई से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया इंजीनियरिंग कोर्स के लिए नहीं होगी। स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी।

12वीं पास छात्रों को प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार: 12वीं का परीक्षा का परिणाम कई प्रदेशों में जारी हो चुका है। ऐसे में छात्रों को विश्वविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार है। जेसी बोस विश्वविद्यालय में हरियाणा के विभिन्न जिलों, उत्तर-प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के अलावा विदेशी छात्र भी यहां दाखिले के लिए प्रयास करते हैं।



फरीदाबाद स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी।

गणित एवं कंप्यूटिंग में नया कोर्स

कुलपति प्रो. एसके तोमर ने कहा कि मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप लर्निंग जैसे कंप्यूटर इंजीनियरिंग क्षेत्रों में उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए गणितीय जानकारी की जरूरत होती है। गणित विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीतू गुप्ता ने बताया कि

गणित एवं कंप्यूटिंग में बीएससी पाठ्यक्रम 10 सेट के साथ शुरू किया जाएगा। भौतिकी, गणित और रसायन विज्ञान के विषयों में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बास्केटबॉल या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इन पाठ्यक्रमों के लिए होंगे ऑनलाइन आवेदन

बीएससी (एनिमेशन व मल्टीमीडिया), बीएससी (ऑनर्स) फिजिक्स, बीएससी (ऑनर्स) गणित, बीएससी गणित और कंप्यूटर, बीएससी (ऑनर्स) केमिस्ट्री, बीएससी लाइफ साइंस, बीबीए, बीकॉम (ऑनर्स), स्नातक सामाजिक कार्य, बीए (जेएड एमसी), बीएड (इलेक्ट्रिकल), बीएड (वेब डेवलपमेंट) बीएड (ऑटोमोबाइल), बीएड (बैंकिंग), बीएड (मैनुफैक्चरिंग), एमएससी (फिजिक्स), एमएससी (गणित), एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी), एमएससी (बॉटनी), एमएससी (जूलॉजी), एमएससी (माइक्रोबायोलॉजी), एमएससी (मल्टीमीडिया), पीजी डिप्लोमा (डाटा साइंस) आदि।

चार जुलाई से विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसकी तैयारी की जा रही है।

-डॉ. मनीषा गर्ग, निदेशक, एडमिशन, जेसी बोस विश्वविद्यालय



J. C. Bose University of Science and Technology, YMC, Faridabad
(formerly YMC University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:27.06.2022

HINDUSTAN

मिशन एडमिशन | विद्यार्थियों के बेहतर करियर को लेकर लिया गया फैसला, इन पाठ्यक्रमों से रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे

जेसी बोस विश्वविद्यालय में चार नए कोर्स को मिली मंजूरी

27.6.2022

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। जेसीबोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नए सत्र में एंटी ड्रोन और सांप्रदायिक सदभाव-सामाजिक न्याय के दर्शन शास्त्र में पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू होंगे। इससे पहले बीएससी गणित एवं कम्प्यूटिंग और अनुप्रयुक्त यांत्रिकी और उत्पाद डिजाइन में सर्टिफिकेट कोर्स समेत नए सत्र में चार नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे।

जेसीबोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अपने स्तर पर कोई भी नया पाठ्यक्रम डिजाइन कर सकता है। नए कोर्स में से तीन पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय स्वयं डिजाइन किए हैं। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से इसको मंजूरी मिली

नए पाठ्यक्रम 10 और 40 सीट के साथ शुरू किए जाएंगे

गणित एवं कम्प्यूटिंग में बीएससी पाठ्यक्रम 10 सीटों के साथ शुरू किया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर ही इनमें दाखिले होंगे। भौतिकी, गणित और रसायन विज्ञान के विषयों में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। दाखिला मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

है। इन नए पाठ्यक्रमों से युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

वित्तीय इंजीनियरिंग एवं संख्यात्मक कम्प्यूटिंग जैसे विभिन्न अन्य बहुविषयक विषयों के साथ-साथ कम्प्यूटर विज्ञान एवं गणित का

बेहतर करियर की संभावना

नए डिग्री कोर्स से युवाओं में बेहतर करियर की संभावना रहेगी। इससे छात्रों को बेहतर विकल्प मिलेगा। विश्वभर में विभिन्न प्रकार की विषय समस्याओं के समाधान में सामाजिक कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका होती है। इसलिए इस क्षेत्र में करियर की प्रबल संभावनाएं हैं। विश्वविद्यालय में नए पाठ्यक्रम युवाओं के करियर के मद्देनजर शुरू किए गए हैं।

अध्ययन से प्रतिभा का विकास होगा।

सुरक्षा क्षेत्र में नए अवसर देगा एंटी ड्रोन कोर्स : कुलपति इसके तोमर बताते हैं कि ड्रोन टेक्नोलॉजी देश में दूसरे देशों को खतरा पैदा करने वाले ड्रोन का तेजी से पता लगाकर उन्हें रोकने और खत्म करने का काम

करेगी। किसी भी ड्रोन सिस्टम के दो मुख्य पहलु होते हैं। दुश्मन ड्रोन का पता लगाना और शास्त्र सिस्टम से उसे नष्ट करना, या उसके सकेतों में अवरोध उत्पन्न करते हैं। ड्रोन तकनीक से देश के सुरक्षा बलों को काफी ताकत मिलेगी।

नए सत्र में चार नए कोर्स शुरू होंगे। सभी कोर्स युवाओं के करियर को ध्यान में रखकर शुरू किए गए हैं। इन सभी में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन करने होंगे।

एसके तोमर, कुलपति

ड्रोन का इस्तेमाल निगरानी के लिए होता है। सीमाओं पर चौबीसों घंटे या चारों ओर आजकल ड्रोन लगा दिए जाते हैं, जो उड़ते हुए सर्विलांस करते हैं, जैसे ही कोई सदिग्ध बात नजर आती है, ड्रोन के जरिए सेना तक पहुंच जाती है।